Toppersnotes®
Unleash the topper in you

उत्तराखण्ड

राज्य सिविल सेवा

उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा

भाग - 10

विश्व का इतिहास एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

SIERRA INNOVATIONS

विश्व का इतिहास

S.No.	Chapter Name	Page No.
1.	**सामंतवाद**	**1**
	• सामंतवाद की प्रमुख विशेषताएँ	1
	• सामंतवाद का पतन	2
	• पुनर्जागरण	2
2.	**प्रबोधन का युग**	**6**
	• प्रबोधन के उदय के कारण	6
	• प्रबोधन के लक्षण	6
	• विचारकों और दार्शनिकों द्वारा निभाई गई भूमिका	6
	• ज्ञानोदय और पुनर्जागरण	7
	• प्रबोधन के युग का अंत	7
3.	**अमरीकी क्रांति**	**8**
	• अमेरिकी क्रांति की पूर्ववर्ति घटनाएँ	8
	• अमेरिकी विजय के कारण	9
	• अमेरिकी क्रांति का प्रभाव	10
	• अमेरिकी गृहयुद्ध (1861-1865)	11
4.	**फ्रांस की क्रांति**	**13**
	• फ्रांसीसी क्रांति के चरण	14
	• फ्रांसीसी क्रांति में महिलाओं की भूमिका	16
	• फ्रांसीसी क्रांति का प्रभाव	16
	• नेपोलियन का युग	17
5.	**औद्योगिक क्रांति**	**22**
	• औद्योगिक क्रांति का उदय	22
	• औद्योगिक क्रांति का प्रभाव	24
	• जर्मनी में औद्योगिक क्रांति	25
	• संयुक्त राज्य अमेरिका में औद्योगिक क्रांति	25
	• जापान में औद्योगिक क्रांति:	26
	• रूस में औद्योगिक क्रांति	27
6.	**रूसी क्रांति**	**29**
	• 1917 की रूसी क्रांति के कारण	29
	• रूसी क्रांति के प्रभाव	30
7.	**यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय**	**31**
	• राष्ट्रवाद का अर्थ	31
	• फ्रांसीसी क्रांति और "राष्ट्र" का विचार	31
	• यूरोप में राष्ट्रवाद का निर्माण	31
	• उदारवादियों की क्रांति	33
	• जर्मनी और इटली का निर्माण	33

8.	**प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918)** • प्रथम विश्व युद्ध के कारण • प्रथम विश्व युद्ध का कोर्स • प्रथम विश्व युद्ध के परिणाम • राष्ट्र संघ	**37** 37 38 40 40
9.	**दो विश्व युद्धों के बीच का काल** • युद्ध की अवधि में विश्व अर्थव्यवस्था: समृद्धि और अवसाद • 1929 की महामंदी • सर्वसत्तावादी शासन: फासीवाद और नाज़ीवाद	**42** 42 42 43
10.	**नाज़ीवाद और हिटलर का उदय** • नाज़ीवाद • सत्ता में हिटलर का उदय • नाजी कार्रवाई • नस्लीय यूटोपिया • नाजी जर्मनी में युवा	**46** 46 46 47 48 48
11.	**द्वितीय विश्व युद्ध** • द्वितीय विश्व युद्ध के कारण • घटनाओं का क्रम • जर्मनी युद्ध क्यों हारा • युद्ध के परिणाम • द्वितीय विश्व युद्ध के बाद	**49** 50 51 52 52 53
12.	**शीत युद्ध (1945-1991)** • शीत युद्ध के कारण • शीत युद्ध के चरण • शीत युद्ध की महत्वपूर्ण घटनाएँ • शीत युद्ध का अंत • सोवियत संघ के पतन के कारण • शीत युद्ध के प्रभाव	**54** 54 54 55 56 56 57
13.	**समाजवाद और साम्यवाद** • समाजवाद • साम्यवाद	**58** 58 59
14.	**उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद** • उपनिवेशवाद • साम्राज्यवाद • नव साम्राज्यवाद	**61** 61 63 64
15.	**चीनी क्रांति** • चीनी गृहयुद्ध की पृष्ठभूमि • चीनी गृहयुद्ध का प्रकोप • शत्रुता का पुनरारंभ और गृहयुद्ध की समाप्ति	**66** 66 66 67
16.	**मध्य पूर्व में संघर्ष** • अरब एकता और बाहरी विश्व द्वारा हस्तक्षेप • मध्य पूर्व में अन्य देशों द्वारा हस्तक्षेप • इज़राइल का निर्माण और अरब - इज़राइल युद्ध • संयुक्त राष्ट्र चार्टर और सिनाई प्रायद्वीप की वापसी • हमास और फतह • इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष और अमेरिका • भविष्य के पहलू	**68** 68 69 70 72 72 73 74

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
1.	विदेश नीति की मूलभूत तत्व	**75**
2.	भारत की विदेश नीति का विकास	**79**
3.	भारत और उसके पड़ोसी देश	**86**
4.	भारत-अमेरिका संबंध	**122**
5.	भारत-कनाडा संबंध	**127**
6.	भारत-रूस संबंध	**129**
7.	भारत और पश्चिम एशिया	**133**
8.	भारत और मध्य एशियाई देश	**146**
9.	भारत और दक्षिण पूर्व एशिया	**155**
10.	पूर्वी एशिया और प्रशांत	**164**
11.	हिंद महासागर	**175**
12.	भारत-अफ्रीका संबंध	**179**
13.	भारत-यूरोप संबंध	**184**
14.	लैटिन अमेरिका और कैरिबियन (LAC) के साथ भारत के संबंध	**194**
15.	प्रवासी भारतीय	**200**
16.	महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान	**203**
17.	वैश्विक समूह	**214**
18.	महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दे	**235**
19.	कूटनीति के बदलते क्षेत्र	**237**

1 CHAPTER सामंतवाद

- सामंतवाद, **मध्ययुगीन यूरोप में 9वीं से 14वीं शताब्दी के मध्य प्रचलित** एक आर्थिक, विधिक, राजनीतिक और सामाजिक संबंधों का एक संयोजन है।
- यह **एक तरह के कृषि उत्पादन को इंगित करता है** जो सामंत और कृषकों के संबंधों पर आधरित है।
- यह **सरदारों, जागीरदारों और जागीरों की तीन प्रमुख अवधारणाओं** के पारस्परिक विधिक और सैन्य दायित्वों का एक समूह है।
- यह **भूमि उपयोग और संरक्षण की एक पदानुक्रमित प्रणाली** थी जो 9वीं और 14वीं शताब्दी में यूरोप पर हावी थी।
- कानूनी रूप से **राजा या सम्राट भूमि का स्वामी** होता था। समस्त **भूमि विविध श्रेणी के सामन्तों के स्वामित्व मे और वीर सैनिकों मे विभक्त** थी।
- सामन्तों मे यह **वितरित भूमि उनकी जागीर** होती थी। राजा या सम्राट से इनको **संरक्षण प्राप्त** होता था।
- ये सामन्त अपनी **भूमि को कृषकों मे बांट देते थे** और उनसे खेती करवाते थे।
- ये कृषकों से अपनी **इच्छानुसार कर** के रूप मे खूब धन **वसूल करते थे**। ये सामन्त **कृषकों का** भरपूर **शोषण** करते थे।
- **सामाजिक असमानता के बावजूद** इसने यूरोपीय समाज को **स्थिरता** प्रदान की।

सामंतवाद की प्रमुख विशेषताएँ

महल

- **महल:** सामंतवाद की मुख्य विशेषता।
- **सामंती लॉर्ड्स** विशाल महल या किलों में **रहते थे**।
- महल के **अंदर भगवान का निवास और दरबार** मौजूद था।
- महल के अंदर **हथियारों और अनाज को संग्रहित** किया जाता था ।
- बाहरी आक्रमण के दौरान **आम लोगों को आश्रय** प्रदान करने का कार्य करता था।

मनेर

- **महल से जुड़ी भूमि** को मनेर के नाम से जाना जाता था।
- यह एक **छोटी सी संपत्ति** की तरह था।
- महल, खेती योग्य भूमि, छोटे सामंतों अथवा बैरन के घर और चर्च इसके साथ जुड़े थे।
- एक **सामंती लॉर्ड के पास** एक या **एक से अधिक मेनर** थे।
- मेनर के स्वामित्व के अनुसार, एक सामंती लॉर्ड की **ताकत को आँका** जाता था।

डिमेंन

- अपने **दासों के बीच** भूमि **बांटने के बाद सामंती लॉर्ड के पास बची हुई भूमि**।

सामंती समाज: सामाजिक संरचना

- समाज के विभाजन एक **पिरामिड पैटर्न** पर हुआ था।
- यह समाज **मुख्यतः कृषि प्रधान** था।
- **'राजा' समाज के शीर्ष पर** था और वह काफी शक्तिहीन था।

- **उसके नीचे 'सामंती लॉर्ड'** को रखा गया था।
- **फिर 'दास' या 'स्वतंत्र किसान'** का स्थान था।
- वे **स्वतंत्र व्यवसायों का सहारा ले सकते थे** और एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा सकते थे।
- **समाज में सबसे निचले** स्तर पर **आसामी-कृषकों (सर्फ)** का स्थान था।

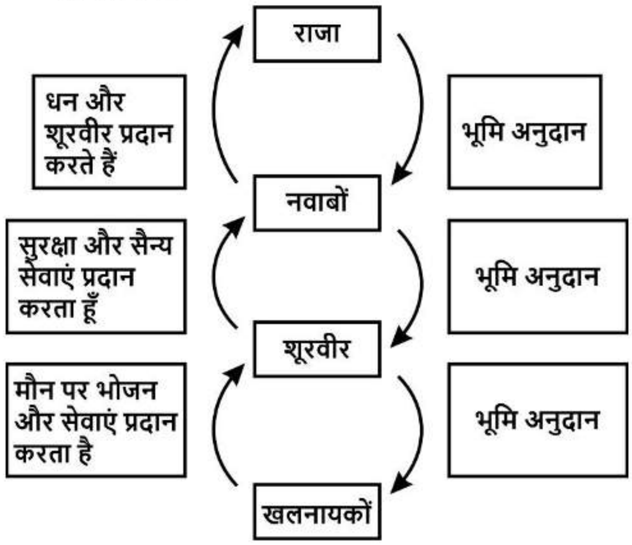

योद्धा (नाइट)

- योद्धा, **घोड़े पर सवार भारी बख्तरबंद सैनिक** थे।
- **केवल सबसे धनी सामंती लॉर्ड** ही योद्धा हो सकते थे
- एक योद्धा **शत्रु से लड़ने और कमजोरों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध** थे।

सामंती लॉर्ड के अधिकार और कर्तव्य

- उनमें से अधिकांश **सरकार, सेना और कूटनीति के कार्यों में लीन** थे।
- उनका **मुख्य कर्तव्य अपनी प्रजा को आक्रमणकारियों से बचाना** था।
- लॉर्ड्स को **कुछ अधिकार भी प्राप्त** थे।
- **वार्डशिप:** एक लॉर्ड एक मातहत (वसाल) जो एक नाबालिग पुत्र को छोड़कर मर गया हो, की भूमि का मालिक होता था जब तक की वह नाबालिग योग्य न हो जाए।

मातहत (वसाल) का कर्तव्य

- **मातहत (वसाल):** एक व्यक्ति जो लॉर्ड एवं सम्राट दोनों के लिए पारस्परिक दायित्व था
- जब भी **लॉर्ड को आवश्यकता हो, दास को दरबार में उपस्थित होना** पड़ता था।

समर्पण समारोह: 'लॉर्ड' एवं 'मातहत' के मध्य संबंधों को मजबूत करने के लिए आयोजित समारोह ।

सामंतवाद का पतन

- **14वीं शताब्दी तक** सामंतवाद का पतन हो गया।
- अंतर्निहित कारणों में राजनीतिक परिवर्तन, युद्ध, बीमारी आदि शामिल थे।

कारण

सामंतवाद का बदलता स्वरुप	• **सामंतों की शक्ति बहुत अधिक बढ़ गयी थी,** अतः राजाओं ने उन पर अंकुश लगाना प्रारम्भ किया। • **बारूद और हथियारों की खोज** के साथ-साथ **मध्यम वर्ग, व्यापारियों से प्राप्त धन ने** राजाओं की मदद की और **सामंतों पर** उनकी **निर्भरता को कम** कर दिया।
व्यापार और वाणिज्य का विकास	• व्यापार और वाणिज्य में **भारी वृद्धि के कारण सर्फ़ों की मुक्ति** सुनिश्चित हुई • **नए शहरों और कस्बों का विकास** हुआ जिससे **काम के नए अवसर** मिले। • सर्फ़ों को सामंती लॉर्ड से खुद को मुक्त करने का अवसर मिला।
धर्मयुद्ध	• **व्यापार के नए अवसर मिले** • सामंतों ने अपनी जान गंवाई। • **बारूद के आविष्कार ने सामंती महलों के महत्व** को **कम** किया।
ब्यूबोनिक प्लेग/ ब्लैक डेथ	• एक प्रकार के **जीवाणु संक्रमण से फैली महामारी** जिसने **पश्चिमी यूरोप की कम से कम एक तिहाई आबादी को ख़त्म कर दिया।**
राजनीतिक परिवर्तन	• **हेनरी द्वितीय के** 12वीं शताब्दी के **सुधारों ने** विचाराधीन मुक़दमे में संधिग्द व्यक्ति के **कानूनी अधिकारों का विस्तार किया।** • **क्रमिक विकास ने कृषि दासता की अवधारणा को अक्षम्य बना दिया।**
सामाजिक अशांति	• **1350 के दशक तक**, युद्ध और बीमारी ने यूरोप की आबादी को इस हद तक कम कर दिया था कि **किसान श्रम काफी मूल्यवान** हो गया था। • इन परिस्थितियों का सामना करने में अक्षम **यूरोप के किसानों ने विद्रोह** कर दिया।

पुनर्जागरण

- पुनर्जागरण ने **आधुनिक युग की शुरुआत एवं मध्य युग की समाप्ति** को चिन्हित किया।
- 15वीं शताब्दी में, **यूरोपीय में साहित्य, कला, वास्तुकला और संस्कृति के एक नए रूप** अर्थात पुनर्जागरण का विकास हुआ।
- पुनर्जागरण ने **मानव ज्ञान के क्षितिज का विस्तार** था जो कला, साहित्य और विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में परिलक्षित हुआ।

अर्थ

- **फ्रेंच शब्द** है जिसका का अर्थ है **पुनर्जन्म या पुनरुद्धार**।
- यह **मानव हितों के लगभग हर क्षेत्र में हुए परिवर्तनों** को दर्शाता है।
- इसके द्वारा यूरोपीय लोगों के बीच एक **जिज्ञासु प्रवृति और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित** हुआ।
- इसने **मध्ययुगीन धार्मिक व्यवस्था को चुनौती** दी।
- यह **रूढ़िवादी चर्च और पोप की प्रभुता के खिलाफ** था।
- इसने एक नई धार्मिक व्यवस्था यानी **प्रोटेस्टेंटवाद को जन्म** दिया।
- **प्लेटो, अरस्तू** आदि के कार्यों में उनकी विभिन्न विषयों पर गहन रुचि परिलक्षित हुई।
- इसने **पूछताछ की प्रवृत्ति और विचार की स्वतंत्रता का विकास** किया
- **इटली** में शिक्षित लोगों के एक छोटे समूह के साथ विकसित पुनर्जागरण, **फ्रांस, जर्मनी और इंग्लैंड** आदि में भी फैल गया।

Unleash the topper in you

पुनर्जागरण के उदय के कारक

सामंतवाद का पतन

- व्यापार और वाणिज्य के विकास ने **मुद्रास्फीति को जन्म दिया** जिससे **कारीगरों, व्यापारियों और किसानों को बहुत लाभ** हुआ।
- कर्ज नहीं चुकाने के कारण **सामंतों को जमीन बेचने के लिए मजबूर** होना पड़ा
- इसने **व्यक्तिवाद के विकास में योगदान** दिया और पुनर्जागरण के कारण को बढ़ावा दिया।

धर्मयुद्ध का प्रभाव

- 11वीं से 14वीं शताब्दी में **ईसाइयों और मुसलमानों के बीच कई धार्मिक युद्ध** हुए।
- **पश्चिमी विद्वान पूर्व के संपर्क में आए** जो अधिक सभ्य और मंझे हुए था।
- **नए विचारों और वैज्ञानिक प्रवृत्तियों** ने पुनर्जागरण को स्थान दिया।

चर्च के प्रभाव में कमी

- शक्तिशाली सम्राटों ने **चर्च की अस्थायी शक्ति को चुनौती** दी।
- **1296 A.D: फ्रांस के राजा फिलिप IV ने पोप को गिरफ्तार कर लिया** और उन्हें कैदी बना लिया।
- **पोप की शक्ति** और प्रतिष्ठा **के लिए यह एक गंभीर आघात** था।
- लोगों ने अब **भविष्य के बजाय वर्तमान को महत्व** दिया।

प्रगतिशील शासकों और कुलीनों का योगदान

- कुछ प्रगतिशील शासकों, पोप और सामंतों ने पुनर्जागरण को बढ़ावा देने के उपायों को अपनाया।
- कुछ राजाओं, पोपों और सामंतों ने **साहित्यकारों, कलाकारों और वैज्ञानिकों को संरक्षण** दिया और इस तरह पुनर्जागरण में योगदान दिया।

भौगोलिक खोज

- भौगोलिक यात्रा एक प्रबल कारक थी
- **नाविकों के दिशा सूचक यंत्र के आविष्कार** ने साहसी लोगों को समुद्री यात्राओं के लिए प्रोत्साहित किया।
- **दूरबीन की खोज** ने खगोल विज्ञान का अध्ययन शुरू किया।
- उपशास्त्रीय व्यवस्था के अधिकार को कमजोर करने में योगदान दिया।

आर्थिक समृद्धि

- 12वीं और 13वीं शताब्दी के दौरान व्यापार और वाणिज्य में उल्लेखनीय प्रगति हुई।
- **व्यापारियों, बैंकरों और निर्माताओं का धनी वर्ग** उभरा
- **कलाकारों को सुरक्षा और संरक्षण** प्रदान किया गया और उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसने पुनर्जागरण के उदय में सहायता की।

प्रिंटिंग प्रेस का अविष्कार

- 1454: **छपाई मशीनों ने पत्र और पुस्तकें मुद्रित** कीं।
- कम समय में बहुत ही आसानी से पुस्तकें प्रकाशित की जाने लगी।
- **लोग आसानी से पुस्तकें प्राप्त कर सकते थे और बहुत कुछ सीख सकते थे।**

कुस्तुंतुनिया का पतन

- पुनर्जागरण का मुख्य कारण कुस्तुंतुनिया का पतन था।
- लंबे समय तक, इसने **शिक्षा और संस्कृति के केंद्र के रूप में कार्य** किया।
- कुस्तुंतुनिया के लोगों ने **इटली के लोगों को गणित, इतिहास, भूगोल, दर्शनशास्त्र, खगोल विज्ञान, चिकित्सा आदि पढ़ाया** और इस तरह उन्होंने पुनर्जागरण का मार्ग प्रशस्त किया।

पुनर्जागरण के जन्मस्थान: इटली

- पुनर्जागरण सबसे पहले इटली में शुरू हुआ था।
- इतालवियों ने सबसे पहले साहित्य, वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला, संगीत और विज्ञान की उत्कृष्ट कृतियों का निर्माण किया
    - बाद के वर्षों में दूसरों के लिए सतत प्रेरणा का स्रोत बने।
- **निम्नलिखित कारणों से इटली में पुनर्जागरण की शुरुआत हुई:**
    - **इटली का विगत गौरव**
        - प्राचीनकाल में इटली गौरवशाली रोमन सभ्यता का केंद्र था।
        - महान रोमन साम्राज्य के सभी ऐतिहासिक अवशेष वहां बिखरे पड़े थे।
        - इसलिए इटली विद्वानों और कलाकारों के लिए एक आकर्षण का केंद्र था।
    - **यूनानी विद्वानों का आगमन**
        - 1453 में कुस्तुंतुनिया के पतन के बाद, कई यूनानी विद्वान और विचारक अपनी मूल पांडुलिपियों और कला के साथ इटली चले गए।
        - इटली के लोगों में जानने की ललक पैदा की।
        - इतालवियों को उत्कृष्ट कृतियों का अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया।
    - **आर्थिक समृद्धि**
        - व्यापार के कारण इटली के पास अपार संपदा थी।
        - फ्लोरेंस: इटली का एक विकासशील शहर जो विद्वानों का बड़ा केंद्र बन गया।
    - **एशिया के साथ इतालवी संपर्क**
        - धर्मयुद्ध ने एशिया के साथ नया संपर्क स्थापित किया।
        - उनकी दृष्टि को व्यापक बनाया और उनकी जीवन शैली को नया रूप दिया।
        - पुनर्जागरण को गति प्रदान की।

Toppersnotes | Unleash the topper in you

पुनर्जागरण की विशेषताएं

मानवतावाद	• विद्वानों ने मानव मूल्यों पर बल दिया और व्यक्ति को एक स्वतंत्र एजेंट के रूप में पेश करने का प्रयास किया। • लियोन बत्तीस्ता अल्बर्टी ने "पुरुष यदि चाहें तो सब कुछ कर सकते हैं" के द्वारा पुनर्जागरण की भावना को बल दिया।
आभिजात्यवाद	• लोगों ने शास्त्रीय कला रूपों को अपनाया। • लगभग सभी ललित कलाओं जैसे वास्तुकला, मूर्तिकला, संगीत, चित्रकला आदि ने इस अवधि के दौरान जबरदस्त प्रगति की। • कुछ प्रमुख कलाकार- लियोनार्डो दा विंची, माइकल एंजेलो, राफेल, टाइटन आदि।
मुक्त संस्कृति	• सीखने की ललक और शिक्षा के प्रति जागरूकता ने लोगों को चर्च के आधिपत्य से मुक्त किया। • समकालीन समाज ने धर्मनिरपेक्ष साहित्य का उच्चस्तरीय विकास देखा। • विद्वानों और कलाकारों ने संस्कृति पर चर्च के एकाधिकार के खिलाफ खुलेआम विद्रोह किया।
प्राकृतिक और प्रायोगिक विज्ञान	• यह नई खोजों और सर्वांगीण विकास का युग था। • पोलैंड के कोपरनिकस ने भू-केंद्रित सिद्धांत यानी पृथ्वी सौर मंडल का केंद्र थी, को चुनौती दी और हेलियो-केंद्रित सिद्धांत सिद्ध किया कि सूर्य स्थिर है और पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है।

प्रभाव

साहित्य

- साहित्य का जन्म इटली में हुआ।
- **पहला उल्लेखनीय काम: "दांते की डिवाइन कॉमेडी"** इतालवी में लिखा गया है।
- **पेट्रार्क** ने मध्यकालीन विचार की आलोचना की और **जीवन और मानवतावाद के धर्मनिरपेक्ष या सांसारिक हित का महिमामंडन** किया।
- **बोकासियो द्वारा लिखित डिकैमेरॉन की किताब** ने ईसाई दुनिया में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले ईश्वर के अस्तित्व की निंदा की।
- **मैकियावेली ने लिखा- "द प्रिंस"**।
- इंग्लैंड में **थॉमस मोरेस का "यूटोपिया", मिल्टन का "पैराडाइज लॉस्ट" और "पैराडाइज रिगेन्ड"** बहुत प्रसिद्ध थे
- इंग्लैंड के नाटककार **विलियम शेक्सपियर "जूलियस सीज़र", "ओथेलो", "मैकबेथ", "ऐज़ यू लाइक इट", "रोमियो एंड जूलियट", "हैमलेट", "वेनिस के मर्चेंट", किंग लियर** जैसे नाटकों के लिए प्रसिद्ध हुए।
- **मार्टिन लूथर ने बाइबिल का जर्मन भाषा में अनुवाद** किया।

कला

- **पहले** कलाकार **भिक्षुओं, धर्माध्यक्षों, पुजारियों के चित्र बनाने के लिए बाध्य** थे।
- पुनर्जागरण कलाकारों ने **शास्त्रीय सभ्यता में बढ़ती रुचि** विकसित की।
- यूरोपीय कला में महान परिवर्तन देखा गया।
- **पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी में यह मूलरूप में अधिक धर्मनिरपेक्ष** हो गया।

स्थापत्य

- **यूनानियों और रोमनों की महान कृतियों** को इतालवी और अन्य यूरोपीय कलाकारों द्वारा खोजा गया और उन**का अनुकरण** किया गया।
- पुनर्जागरण युग के निर्माताओं ने **ग्रीक और रोमन शैली में कई गिरजाघरों, महलों और विशाल इमारतों का निर्माण किया**।
- **फ्लोरेंस**, एक इतालवी शहर - कला की दुनिया का केंद्र बना।
- **"रोम के सेंट पीटर्स गिरजाघर", मिलान का गिरजाघर और वेनिस के महल** आदि पुनर्जागरण वास्तुकला के उदाहरण हैं।

मूर्तिकला

- **लोरेंजो घिबर्टी:** इस अवधि के दौरान इटली के प्रसिद्ध मूर्तिकार।
- **फ्लोरेंस में गिरजाघर के कांस्य दरवाजे** अपनी उत्कृष्ट सुंदरता के लिए प्रसिद्ध थे।
- **सेंट जॉर्ज और सेंट मार्क की यथार्थवादी मूर्ति**।
- **रोम में "मूसा", "बेसिलिका ऑफ सेंट पीटर" की भव्य प्रतिमा** भी बनाई।

चित्रकला

- **लियोनार्डो दा विंची:** "मोनालिसा" की प्रसिद्ध पेंटिंग, "द लास्ट सपर", "द वर्जिन ऑफ द रॉक" और "द वर्जिन एंड चाइल्ड विद सेंट ऐनी उनकी अन्य पेंटिंग हैं।
- **माइकल एंजेलो** की क्रिएशन ऑफ एडम एंड द लास्ट जजमेंट।

- **राफेल** की पेंटिंग शांति और सुंदरता को दर्शाती है।
- **सिस्टिन मैडोना** की पेंटिंग ने उन्हें विश्व प्रसिद्ध चित्रकार बना दिया।
- पुनर्जागरण चित्रकला ने हर पहलू में मौलिकता की छाप छोड़ी।

ललित कला

- ललित कला जैसे: संगीत खिल उठी।
- मध्यकालीन गीतों के चंगुल से इटली मुक्त हो गया था।
- **पियानो और वायलिन के प्रयोग ने गीत को मधुर बना दिया।**
- फिलिस्तीन एक महान गायक, संगीतकार और नए गीतों के मास्टर संगीतकार थे।
- **गिरजाघरों में, पुराने गीतों के स्थान पर नए प्रार्थना गीतों को शामिल किया गया।**

विज्ञान

- खगोल विज्ञान, चिकित्सा और विज्ञान के अन्य पहलुओं के विकास ने इस युग को विशिष्ट बना दिया।
- **भौतिक विज्ञान**
  - **पोलैंड के कोपरनिकस** ने अपनी पुस्तक में कहा कि सूर्य स्थिर है और पृथ्वी तथा अन्य ग्रह उसकी परिक्रमा करते हैं। ईसाई पुजारियों ने कोपरनिकस की तीखी आलोचना की।
  - इंग्लैंड के **सर आइजैक न्यूटन:** बुक प्रिंसिपिया में गुरुत्वाकर्षण के नियम के बारे में बताया।
- **खगोल**
  - **इटली के गैलीलियो:** टेलीस्कोप का आविष्कार किया और कॉपरनिकस के सिद्धांत को साबित किया। प्रमाणित किया की आकाशगंगा में तारे होते हैं।
  - **पेंडुलम सिद्धांत** ने बाद में घड़ियों का आविष्कार करने में मदद की।
- **रसायन विज्ञान**
  - **कॉर्डस** ने सल्फ्यूरिक एसिड और अल्कोहल से ईथर बनाया जो विज्ञान का एक और चमत्कार था
  - **होल्डमोंट:** "कार्बन डाइऑक्साइड" गैस की खोज।
- **शारीरिक संरचना**: सालियस: एक चिकित्सा वैज्ञानिक ने मानव शरीर के विभिन्न भागों का वर्णन किया।

- **दवा**
  - इंग्लैंड के **विलियम हार्वे** ने "रक्त परिसंचरण की प्रक्रिया" की खोज की।
  - पुनर्जागरण ने मानवतावाद का विकास किया और पुरुषों में अधिक से अधिक जानने की इच्छा को बढ़ाया।

पुनर्जागरण का महत्व

शिक्षा का नया रूप

- शिक्षा के क्षेत्र में महान परिवर्तन हुआ।
- शिक्षा का आधार बहुत विस्तृत हुआ।
- तर्क और आलोचनात्मक सोच पर जोर दिया गया।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण

- वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास ने नई खोजों और आविष्कारों को प्रोत्साहित किया।
- लोग चर्च के अंधविश्वासों और अर्थहीन कर्मकांडों की आलोचना करने लगे

समृद्ध क्षेत्रीय साहित्य

- क्षेत्रीय साहित्य को प्रोत्साहन दिया।
- लेखकों ने आम भाषाओं में मानवीय हितों के बारे में लिखना शुरू किया।

कला के नए रूप

- चित्रकला, मूर्तिकला, वास्तुकला, संगीत आदि के नए रूपों का विकास हुआ।
- ललित कलाओं के विकास के लिए बहुमूल्य सेवा प्रदान की।

उपनिवेशवाद की प्रक्रिया

- मानव सभ्यता की प्रगति में योगदान दिया।
- उपनिवेशवाद का मार्ग प्रशस्त किया।
- नाविकों के दिशा सूचक यंत्र के आविष्कार ने नेविगेशन को गति प्रदान की।

मजबूत राजशाही का विकास

- चर्च के अधिकार और सामंती व्यवस्था को गंभीर आघात पहुँचाया।
- अपने-अपने राष्ट्रों में शांति, सुरक्षा और राजनीतिक स्थिरता स्थापित की।

सुधार के लिए प्रस्तावना

- सुधार आंदोलन का मार्ग प्रशस्त किया।
- राजनीतिक स्थिरता ने प्रगति के लिए मार्ग प्रशस्त किया
- बौद्धिक गतिविधि ने अवैज्ञानिक पूछताछ की जगह ले ली।
- नई वैज्ञानिक भावना, पूछताछ, अवलोकन और प्रयोग की भावना ने लोगों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।
- उन्होंने चर्च के अधिकार पर भी सवाल उठाया।
- इन सभी कारकों ने सुधार को अपरिहार्य बना दिया।

Unleash the topper in you

2
CHAPTER

प्रबोधन का युग

- यह एक बौद्धिक, दार्शनिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आंदोलन था।
- **विस्तार: 17वीं - 18वीं शताब्दी** के दौरान पूरे यूरोप (मुख्यतः पश्चिमी यूरोप) में।
- इस युग को **ज्ञानोदय अथवा विवेक का युग** आदि अन्य नामों से भी जाना जाता है।
- यूरोप के मध्य युग से प्रस्थान का प्रतिनिधित्व किया।
- कई लोग ज्ञानोदय को "**प्रकाश से अंधकार के विस्थापन का युग**" मानते थे।
- कई विचार प्रबुद्धता पर हावी थे जैसे तर्कवाद, अनुभववाद, प्रगतिवाद, और विश्वव्यापीवाद आदि

प्रबोधन के उदय के कारण

- **पुनर्जागरण का युग:** कला, विज्ञान, राजनीति, साहित्य आदि में नए विचारों का उद्भव हुआ,
  - दा विंची, राफेल आदि की कला के माध्यम से मानवता पर ध्यान केंद्रित किया।
  - वैज्ञानिक क्रांतियों ने अंध विश्वास पर सवाल उठाये
  - स्थानीय भाषाओं के विकास के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना का उदय हुआ
- **तीस साल का युद्ध** (1618 से 1648) ने जर्मन लेखकों को राष्ट्रवाद और युद्ध के विचारों के बारे में कठोर आलोचना करने के लिए मजबूर किया।
- पुनर्जागरण ने **धर्मनिरपेक्ष विचारों को जन्म दिया** जिसने ज्ञानोदय की वैज्ञानिक क्रांति को जन्म दिया।
- **प्रोटेस्टेंट सुधारों ने धार्मिक युद्धों की एक श्रृंखला का नेतृत्व किया** जिसने लगभग एक सदी तक यूरोप को तबाह कर दिया।
- नगरों के उदय से सामंती राजतंत्रों का **राष्ट्र-राज्यों में परिवर्तन** हुआ।
- इन सभी कारकों ने चर्च के अधिकार और अंधविश्वास को कम कर दिया और तर्क के युग को जन्म दिया।
- **मजदूर वर्ग का उदय हुआ** जिसने मौजूदा निरंकुश राजनीतिक व्यवस्था का विरोध किया
- **मध्यम वर्ग का उदय हुआ**

प्रबोधन के लक्षण

कारण/तर्कवाद

- मानवीय तार्किकता को महत्त्व दिया। यह विश्वास जगाया कि तर्क की शक्ति से, मनुष्य सत्य तक पहुँच सकता है, अस्तित्व को नियंत्रित करने वाले प्राकृतिक नियमों की खोज कर सकता है, दुनिया को सुधार सकता है और मानव प्रगति की ओर ले जा सकता है।
- अतीत में यूरोप में प्रचलित परम्पराओं और स्वयं के लिए निर्णय लेने के लिए तर्क पर बल दिया गया

प्राकृतिक कानून / प्रकृतिवाद

- अलौकिक धार्मिक विचारों के विकल्प के रूप में वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।
- यह माना जाता था कि ब्रमांड को नियंत्रित करने वाले प्राकृतिक नियमों की खोज की जा सकती है।

मानवतावाद

- मानव कल्याण, मानव स्वतंत्रता, मानव गरिमा के इर्द-गिर्द घूमता है।
- यह उन सभी विचारों अथवा संस्थाओं को अस्वीकार करता है जो मनुष्य की प्रगति में बाधा उत्पन्न करते हैं। यह समाज, चर्च, निरंकुश राजशाही आदि हो सकता है।

व्यक्तिवाद

- इसने व्यक्ति और उसके जन्मजात अधिकारों के महत्व पर जोर दिया।

सापेक्षवाद

- इस अवधारणा के अनुसार विभिन्न संस्कृतियों, विश्वासों, विचारों और मूल्य प्रणालियों में समान योग्यता थी।

विचारकों और दार्शनिकों द्वारा निभाई गई भूमिका

- प्रबोधन को प्रभावित करने वाले दार्शनिकों में **बेकन, डेसकार्टेस, लोके और स्पिनोज़ा** आदि शामिल थे।
- **अन्य प्रमुख विचारक और दार्शनिक:** बेकारिया, डाइडरोट, ह्यूम, कांट, मोंटेस्क्यू, रूसो, एडम स्मिथ और वोल्टेयर आदि।
- दार्शनिक आंदोलन का **नेतृत्व वोल्टेयर और जीन-जैक्स रूसो** ने किया था
- **मोंटेस्क्यू ने सरकार में शक्तियों के पृथक्करण का विचार** पेश किया।
- **फ्रांसिस हचिसन ने उपयोगितावादी और परिणामवादी सिद्धांतों का वर्णन** किया।
- **लोके, हॉब्स और रूसो** इस बात से सहमत थे कि नागरिक समाज में रहने के लिए मनुष्य के लिए एक सामाजिक अनुबंध आवश्यक है।

जीन-जैक्स रूसो (1712-1778)

- जन्म: जिनेवा लेकिन फ्रांस में बस गए।
- **फ्रांसीसी क्रांति के लिए जमीन तैयार** की।
- **निजी संपत्ति की अवधारणा की आलोचना** की क्योंकि इसने सामाजिक असमानता पैदा की।

- **सभी के लिए स्वतंत्रता, समानता और न्याय की वकालत** की।
- **"असमानता पर प्रवचन"** (1755) ने इस विषय का विस्तार किया
- **"बहुमत की इच्छा हमेशा सही होती है" की धारणा पर सवाल उठाया**
- इनके अनुसार **सरकार का लक्ष्य** बहुमत की इच्छा की परवाह किए बिना, राज्य के भीतर सभी के लिए स्वतंत्रता, समानता और न्याय सुरक्षित करना।
- **अनुभव से सीखने पर विशेष जोर दिया** और उन्होंने बच्चे की भावनाओं को उसके तार्किक विकास से पहले शिक्षित किये जाने पर बल दिया।
- **द सोशल कॉन्ट्रैक्ट (1762) नामक पुस्तक लिखी**
- वह व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध थे।
- उनके अनुसार एकमात्र अच्छी सरकार वह है जो लोगों द्वारा स्वतंत्र रूप से बनाई जाती है।
- उन्होंने **लोकतंत्र पर बल दिया** और समुदाय को व्यक्तिगत हितों से ऊपर रखने को कहा।

इमेनुअल कांट (1724-1804)

- ज्ञानोदय के सबसे प्रभावशाली दार्शनिक।
- उन्होंने दावा किया की हम किसी भी वस्तु को वैसे ही देखते है जैसे वह हमें दिखाई देती है।
- **'कोपरनिकन क्रांति' के सिद्धांत को प्रतिपादित किया** की ज्ञान वस्तुओं की बाहरी प्रकृति से नहीं बल्कि मानव तर्कसंगतता से निर्धारित होता है।
- इस दृष्टिकोण ने कई समस्याओं को संबोधित किया, जिन पर दार्शनिक चर्चा कर रहे थे और **जर्मन दर्शन में आदर्शवाद के उद्भव के लिए प्रेरित किया**।
- कांट के अनुसार **अनुभव मानवीय कारण से निर्मित होते हैं**
- वे **न्याय के सिद्धांत**, मनुष्य केवल वही समझ सकता है जो वर्तमान समय में चल रहा है, **में विशवास** रखते थे।
- उनके अनुसार भविष्यवाणी करना संभव नहीं है, जहां मनुष्य शामिल नहीं हैं।
- कांट का **नैतिक सिद्धांत:** बुराई खुशी पैदा नहीं कर सकती। अच्छे गुण मानव स्वभाव हैं।
- कांट के **प्रसिद्ध शिष्य**: फिच, शेलिंग और हेगेल, सभी महान दार्शनिक थे।

ज्ञानोदय और पुनर्जागरण

समानता

- दर्शन और धर्मशास्त्र का पृथक्करण जारी रहा।
- अधिकार के बजाय तर्क और अनुभव की शक्ति के लिए एक समान अपील।
- शिक्षा, सीखने और पढ़ने का क्रमिक प्रसार।

अंतर

पुनर्जागरण	प्रबोधन
उद्देश्य: शास्त्रीय विचारों को पुनर्जीवित करना	**उद्देश्य:** अतीत में जो हासिल किया गया था उससे आगे बढ़ाना
एक सांस्कृतिक परिवर्तन जिसने **समाज के कुछ वर्गों को प्रभावित किया**	**सामान्य, साधारण लोगों सहित समग्र रूप से समाज** के दैनिक जीवन **को प्रभावित किया।**
कला और मानविकी का प्रभुत्व है।	**विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रभुत्व है।**

प्रभाव

- कई पुस्तकों, निबंधों, आविष्कारों, वैज्ञानिक खोजों, कानूनों, युद्धों और क्रांतियों को जन्म दिया। **अमेरिकी और फ्रांसीसी क्रांतियां सीधे इन आदर्शों से प्रेरित** थीं।
- **थॉमस जेफरसन** ने यूरोपीय विचारों का बारीकी से अध्ययन किया और बाद में इनमें से कुछ विचारों को **स्वतंत्रता की घोषणा (1776) में शामिल** किया। जिन्हे **संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान में** 1787 में शामिल किया गया था।
- धार्मिक (और धार्मिक विरोधी) नवाचार शुरू हुआ, क्योंकि ईसाइयों ने तर्कसंगत लाइनों के साथ अपने विश्वास को पुनर्स्थापित करने की मांग की।
- **1789 की फ्रांसीसी क्रांति:** प्रबुद्धता की दृष्टि की पराकाष्ठा थी जिसमें समाज के तर्कसंगत आधार पर पुनर्गठन के लिए पुराने अधिकारियों को उखाड़ फेंका गया
- समतावाद के लक्ष्य ने प्रारंभिक नारीवादी **मैरी वोलस्टोनक्राफ्ट को प्रभावित** किया।

प्रबोधन के युग का अंत

- ज्ञानोदय कई स्रोतों से **प्रतिस्पर्धी विचारों का शिकार** हुआ।
  - **स्वच्छंदतावाद** कम पढ़े-लिखे आम लोगों के लिए अधिक आकर्षक था और उन्हें पहले के प्रबुद्धता दार्शनिकों के अनुभवजन्य वैज्ञानिक विचारों से दूर खींच लिया।
  - **संशयवाद** के सिद्धांत ज्ञानोदय के कारण-आधारित दावे के साथ सीधे संघर्ष में आ गए
- **फ्रांसीसी क्रांति** ने अचानक इस युग का अंत कर दिया
  - इसमें हुई हिंसा ने प्रमाणित किया की **जनता पर स्वशासन के लिए भरोसा नहीं किया जा सकता** है।
- बहरहाल, प्रबुद्ध दार्शनिकों की खोजों और सिद्धांतों ने सदियों तक पश्चिमी समाज को प्रभावित करना जारी रखा।

3 CHAPTER अमरीकी क्रांति

- यूरोपीय खोजकर्ता दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए थे।
- उदाहरण: इंग्लैंड, स्पेन, इटली, पुर्तगाल और फ्रांस
- **यात्राएँ विभिन्न कारणों से प्रेरित थीं:**
  - **महान साम्राज्यों का निर्माण** जिसने अमेरिका के उपनिवेशीकरण का नेतृत्व किया।
  - **यूरोप में शक्ति में वृद्धि**
  - **प्रतिष्ठा**
  - **धनार्जन:** सोना, चांदी, मसाले और नई भूमि का कच्चा माल
  - **व्यापार के अवसर**
  - **ईसाई धर्म का प्रसार:** उपनिवेशों में धर्म का प्रचार-प्रसार मुख्य रूप से इंग्लैंड और फ्रांस द्वारा और कुछ हद तक नीदरलैंड और स्वीडन द्वारा किया गया।

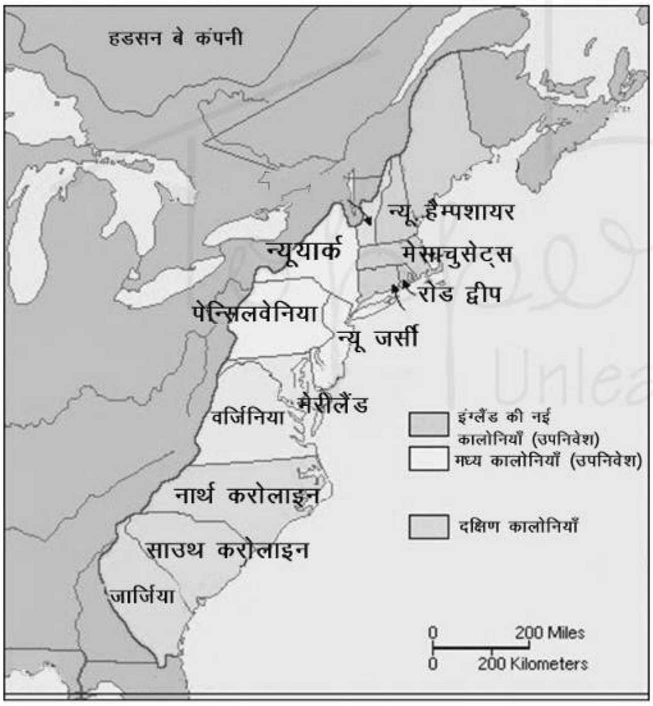

विभिन्न घटनाओं की एक श्रृंखला ने अमेरिकी क्रांति का नेतृत्व किया

उपनिवेशों में राजनीतिक संरचना

- **बढ़ती जनसंख्या और समृद्धि** के कारण उपनिवेशवादियों की नयी पहचान बनी।
- प्रत्येक उपनिवेश की **अपनी सरकार** थी, और **लोगों को काफी हद तक स्वतंत्रता प्राप्त** थी।
- **नेविगेशन अधिनियम 1651:** ब्रिटिश संसद द्वारा **व्यापार कानून पारित** किया गया।
  - उपनिवेशवादियों को **ब्रिटेन को छोड़कर किसी भी देश को अपने सबसे मूल्यवान उत्पाद बेचने से रोका** गया।
  - उपनिवेशवादियों को **आयातित फ्रांसीसी और डच वस्तुओं पर उच्च कर** देना पड़ता था।
- ब्रिटेन की नीतियों से उपनिवेशों और मातृभूमि दोनों को लाभ हुआ।
- ब्रिटेन ने **कम दामों में अमेरिकी कच्चा माल खरीदा और निर्मित माल को** उपनिवेशवादियों को **बेच दिया**।

सप्तवर्षीय युद्ध

- यह एक **वैश्विक संघर्ष** था जो **1756 से 1763 के मध्य** लड़ा गया।
- इसे **'द फ्रेंच ऐण्ड इण्डियन वार' (**उत्तरी अमेरिका, 1754–63); **पॉमेरियन वार** (स्वीडेन तथा प्रुसिया, 1757–62); **तृतीय सिलेसियन युद्ध** (प्रुसिया तथा आस्ट्रिया, 1756–63) आदि के नाम से जाना जाता है।
- भारत में इसे **तृतीय कर्नाटक युद्ध** के नाम से जाना जाता है।
- इसमें उस समय की प्रमुख राजनीतिक तथा सामरिक रूप से शक्तिशाली देश शामिल थे।
- इसका प्रभाव योरप, उत्तरी अमेरिका, केंद्रीय अमेरिका, पश्चिमी अफ्रीकी समुद्रतट, भारत तथा फिलीपींस पर पड़ा।
- संघर्ष ने यूरोप को **दो गठबंधनों में विभाजित** कर दिया:
  - **ब्रिटेन एवं मित्रदेश:** जिसमें प्रशिया, पुर्तगाल, हनोवर और अन्य छोटे जर्मन राज्य शामिल थे
  - **फ्रांस एवं मित्रदेश:** ऑस्ट्रियाई नेतृत्व वाला रोमन साम्राज्य, रूसी साम्राज्य, स्पेन और स्वीडन आदि सम्मिलित थे।
- **भारत के सन्दर्भ में:** क्षेत्रीय ताकतों ने फ्रांसिसी सहायता से बंगाल पर आधिपत्य स्थापित करने के ब्रिटिश प्रयास को कुचलने की कोशिश की।
- **1754 में ब्रिटेन और फ्रांस के बीच हुआ**
  - 1600 और 1700 के दशक में **उत्तरी अमेरिका एक फ्रांसीसी उपनिवेश** रहा।
- युद्ध में **ब्रिटेन और उसके उपनिवेशवादी विजयी** हुए और उन्होंने **उत्तरी अमेरिका के लगभग समस्त फ्रांसीसी क्षेत्र पर कब्जा** कर लिया।

प्रतिनिधित्व के बिना कराधान नहीं

- उत्तरी अमेरिका की विजय ने **ब्रिटेन और उसके उपनिवेशवादियों के बीच तनाव** को बढ़ा दिया।
- युद्ध के कारण **ब्रिटेन पर भारी कर्ज** था।
- **1765 में ब्रिटिश संसद ने स्टाम्प अधिनियम पारित** किया जिसके अंतर्गत उपनिवेशवादियों को लाइसेन्सों, पट्टों, कानूनी दस्तावेजों, समाचार पत्रों और अन्य मुद्रित सामग्रियों पर आधिकारिक मुहर लगाने के लिए एक कर का भुगतान करना पड़ता था।
- इसके कारण **अमेरिकी उपनिवेशवादी नाराज** थे।
- उन्होंने पहले **कभी भी सीधे ब्रिटिश सरकार को करों का भुगतान नहीं किया** था।
- औपनिवेशिक वकीलों ने तर्क दिया की **स्टाम्प टैक्स ने उपनिवेशवादियों के प्राकृतिक अधिकारों का उल्लंघन किया** है
- **सरकार पर "प्रतिनिधित्व के बिना कराधान" का आरोप लगाया गया**
- **ब्रिटिश नागरिकों ने करों का भुगतान किया** क्योंकि उनका संसद में प्रतिनिधित्व था।
- **उपनिवेशवादियों का संसद में कोई प्रतिनिधित्व नहीं** था अतः उन्होंने तर्क दिया कि उन पर कर नहीं लगाया जा सकता है।

बॉस्टन चाय पार्टी

- ब्रिटेन के **औपनिवेशिक और वाणिज्यवादी कानूनों के विरूद्ध उपनिवेशों में असंतोष** की भावना विकसित होने लगी।
- **1764 ई. के शुगर एक्ट तथा 1765 ई. के स्टांप एक्ट** से यह असंतोष और भी बढ़ गया।
- कुछ औपनिवेशिक नेताओं ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता का समर्थन किया।
- **1773 ई. में सैमुअल एडम्स के नेतृत्व में ईस्ट इंडिया कंपनी के जहाजों से आयात की गई चाय की पेटियों को समुद्र में फेंक दिया गया**। इस घटना को 'बोस्टन चाय पार्टी' के नाम से जाना जाता है।
- **जॉर्ज III ने** इस कृत्य से क्रुद्ध होकर **ब्रिटिश नौसेना को बोस्टन के बंदरगाह को बंद करने का आदेश** दे दिया।

प्रथम महाद्वीपीय कांग्रेस (द कॉन्टिनेंटल कांग्रेस)

- अंग्रेजों की कठोर नीतियों ने कई उदारवादी उपनिवेशवादियों को उनका दुश्मन बना दिया।
- **सितंबर 1774 में** जॉर्जिया को छोड़कर सभी उपनिवेशों के प्रतिनिधि प्रथम महाद्वीपीय कांग्रेस बनाने के लिए **फिलाडेल्फिया में एकत्र** हुए।
- इस समूह ने **बॉस्टन में हुए व्यवहार का विरोध** किया लेकिन राजा ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।
- उपनिवेशवादियों ने अपनी रणनीति तय करने के लिए द्वितीय महाद्वीपीय कांग्रेस बनाने का फैसला किया।

द्वितीय महाद्वीपीय कांग्रेस

- **19 अप्रैल, 1775 को ब्रिटिश सैनिकों और अमेरिकी मिनटमेन की मैसाचुसेट्स के लेक्सिंगटन में गांव में जंगी मुठभेड़** हुई।
- द्वितीय महाद्वीपीय कांग्रेस में सेना बनाने के लिए मतदान किया गया और इसे **जॉर्ज वॉशिंगटन की कमान के तहत युद्ध के लिए संगठित** किया।
- इस प्रकार **अमेरिकी क्रांति शुरू** हुई।

अमेरिकी विजय के कारण

- **अमेरिकियों का** युद्ध करने का **उद्देश्य मातृभूमि की रक्षा** करना था जबकि ब्रिटिश केवल अपना वर्चस्व पुनः स्थापित करने के लिए लड़ रहे थे।
- अति-आत्मविश्वास से भरे ब्रिटिश जनरलों ने कई गलतियाँ कीं।
- लंदन से 3,000 मील की दूरी पर **युद्ध लड़ना बहुत महंगा** था जिसके कारण ब्रिटेन की **जनता पर करों का बोझ बढ़ गया** और कुछ वर्षों के बाद, **ब्रिटिश नागरिकों ने शांति स्थापित करने का आह्वान किया**।
- **फ्रांस का समर्थन:** हालाँकि फ्रांस के राजा **लुई सोलहवें** को अमेरिकी क्रांति के आदर्शों के प्रति कोई खास संवेदना नहीं थी परन्तु वह **ब्रिटेन को कमजोर करने को आतुर** थे।
- **1778 में युद्ध में फ्रांसीसी भागीदारी निर्णायक** सिद्ध हुई।
- 1781 में, लगभग 9,500 अमेरिकियों और 7,800 फ्रांसीसियों की संयुक्त सेना ने यॉर्कटाउन, वर्जीनिया के पास **लॉर्ड कॉर्नवालिस की कमान में एक ब्रिटिश सेना को घेर लिया**। बचने में असमर्थ, कॉर्नवालिस ने अंततः आत्मसमर्पण कर दिया।
- **अमेरिकियों ने स्वतंत्रता प्राप्त** कर विश्व को आश्चर्यचकित कर दिया।
- **1783 - पेरिस की संधि पर हस्ताक्षर** किए गए। इसके अंतर्गत ब्रिटेन ने अपने 13 पूर्व उपनिवेशों की स्वतंत्रता को मान्यता दे दी।
- अमेरिका एक गणतंत्र बन गया और स्वतंत्रता के पश्चात इन 13 अलग-अलग राज्यों ने राष्ट्रीय सरकार की महत्ता को समझते हुए 1781 में एक **संविधान बनाया जिसे परिसंघ के लेख नाम से भी जाना जाता है।**
- इन लेखों ने संयुक्त राज्य को एक गणतंत्र के रूप में स्थापित किया, तथा एक लोकतांत्रिक सरकार के गठन के लिए प्रावधान किया।
    - 13 राज्यों ने एक **कमजोर परिसंघ बनाया जिसमें अधिकांश शक्ति राज्यों के पास** थी।
    - **कोई कार्यकारी या न्यायिक व्यवस्थाएँ नहीं** थीं।
    - सरकार का **केवल एक ही निकाय था कांग्रेस**।
    - **प्रत्येक राज्य का**, चाहे वह कितना भी बड़ा अथवा कितना भी छोटा हो, **कांग्रेस में एक वोट** था।

- कांग्रेस युद्ध की घोषणा कर सकती थी, संधियां कर सकती थी और मुद्राएं चला सकती थी।
- **कर एकत्र करने या व्यापार को विनियमित करने की कोई शक्ति नहीं** थी।
- **नए कानूनों को पारित करना कठिन** था क्योंकि 13 में से 9 राज्यों के अनुमोदन की आवश्यकता थी।
- **फरवरी 1787:** कांग्रेस ने परिसंघ के अनुच्छेदों को संशोधित करने के लिए, **एक संवैधानिक सभा को मंजूरी दी।**
    - संवैधानिक सभा का **पहला सत्र 25 मई, 1787 को आयोजित** किया गया।
    - 55 प्रतिनिधियों में लोके, मोंटेस्क्यू और रूसो के राजनीतिक सिद्धांतों से प्रभावित अनुभवी राजनेता थे।
- प्रतिनिधियों ने **एक शक्तिशाली केंद्र सरकार न बना कर तीन अलग-अलग शाखाओं विधायी, कार्यपालिका और न्यायपालिका की स्थापना** की।
- **नियंत्रण और संतुलन** की एक अंतर्निहित **प्रणाली** प्रदान की।
- कांग्रेस अपने **दो-तिहाई सदस्यों के बहुमत के साथ राष्ट्रपति के वीटो को ओवरराइड** कर सकती है।
- कांग्रेस ने औपचारिक रूप से संविधान में **दस संशोधन जोड़े जिन्हें अधिकारों का विधेयक** के रूप में जाना जाता है।
- **भाषण, प्रेस, सभा और धर्म की स्वतंत्रता जैसे बुनियादी अधिकारों की रक्षा की।**

अमेरिकी क्रांति का प्रभाव

राजनीतिक प्रभाव	• विश्व के **पहले लिखित संविधान** के आधार पर एक **गणतंत्र की स्थापना** की। • **दुनिया भर के लोगों को** सरकार के लोकतांत्रिक और गणतांत्रिक रूपों के लिए संघर्ष करने के लिए **प्रेरित** किया। • एक **संघीय राज्य की स्थापना** की जिसमें राज्य के विभिन्न अंगों के बीच **शक्तियों का पृथक्करण** सुनिश्चित किया गया था। • लोगों को कुछ **अहरणीय अधिकार** दिए गए जिनके द्वारा **जनता को सर्वोपरि** रखते हुए सरकार के हस्तक्षेप को सीमित रखा गया। • **लोकतंत्र स्थापित** किया गया था, लेकिन **अश्वेत अमेरिकियों और महिलाओं को मतदान के अधिकार से वंचित** रखा गया।
सामाजिक प्रभाव	• **व्यक्तिवाद और विविधता** अमेरिका की पहचान बन गया • कुलीनों को **कोई विशिष्ट उपाधियाँ नहीं** प्रदान की गयी • **सामाजिकता सुनिश्चित** हुई • **पश्चिम की ओर** लोगों का **पलायन बढ़ा** • **चर्च और राज्य** को **अलग** रखा गया • **महिलाओं के अधिकारों और गुलामी से जुड़े मुद्दे जारी रहे** • लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए **शिक्षा के महत्त्व को और बल मिला**

विश्व के अन्य भागों पर प्रभाव

- **आयरलैंड:** लोगों का मानना था कि वे भी हथियारों के बल पर ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त कर सकते हैं।
    - अमेरिकी क्रांति ने 1798 में आयरिश स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए थियोबाल्ड वोल्फ टोन जैसे पुरुषों को यूनाइटेड आयरिशमैन बनाने के लिए प्रेरित किया।
- बाद में 19वीं शताब्दी में **यूरोप में कई क्रांतिकारियों को प्रेरित** किया।
- **मध्य और दक्षिण अमेरिका में स्पेनिश और पुर्तगाली उपनिवेशों** को विद्रोह करने और अपनी स्वतंत्रता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।
    - हार के बाद **ब्रिटेन ने अन्य उपनिवेशों में अपनी औपनिवेशिक नीति बदल** दी।
- इसने **फ्रांसीसी क्रांति को बहुत प्रभावित** किया।
    - जब अमेरिकी उपनिवेशवादियों ने स्वतंत्रता प्राप्त की, तो फ्रांसीसी - जिन्होंने युद्ध में भाग लिया, दोनों करीबी सहयोगी और प्रमुख भागीदार थे।
    - **दोनों क्रांतियों के लिए एक समान कारण** थे।
        - दोनों को एक **कराधान प्रणाली जो भेदभावपूर्ण और अनुचित** थी से निपटना पड़ा।
        - इसके अतिरिक्त, **राजा लुई सोलहवें और उनकी पत्नी मैरी एंटोनेट** द्वारा अत्यधिक खर्च करने की प्रथा ने देश को **दिवालिया होने के कगार पर** छोड़ दिया।
        - **शाही निरपेक्षता:** उपनिवेशवादियों ने ब्रिटिश राजतंत्र के खिलाफ विद्रोह किया
        - **फ्रांसीसी उद्देश्य लुई सोलहवें के पूर्ण शासन में सुधार करना** था।

- **असमान अधिकार:** अमेरिकी उपनिवेशवादियों की तरह, फ्रांसीसी ने महसूस किया कि विशिष्ट अधिकार केवल समाज के कुछ हिस्सों, अर्थात् अभिजात वर्ग को दिए गए थे।
- **आत्मज्ञान दर्शन एक प्रमुख प्रभाव** था।

अमेरिकी गृहयुद्ध (1861-1865)

- इसे **राज्यों के बीच का युद्ध** भी कहा जाता है।
- **19वीं सदी में संयुक्त राज्य अमेरिका में कई नए क्षेत्र सम्मिलित** किये गए।
  - **लुइसियाना फ्रांस से** खरीदा गया था वहीं **स्पेन से फ्लोरिडा** का अधिग्रहण किया गया।
- **1850 का दशक में मेक्सिको के साथ युद्ध** के बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपनी **सीमाओं को प्रशांत महासागर तक बढ़ा दिया**।
- **लोगों का पश्चिम की ओर पलायन** बढ़ता जा रहा था जिसके कारण **पश्चिम** में बढ़ती बस्तियों ने **दक्षिणी राज्यों के बीच** बढ़ते हुए **संघर्षों** को जन्म दिया।
- **दक्षिणी राज्य पश्चिमी क्षेत्रों में दासता का विस्तार** करना चाहते थे जबकि **उत्तरी राज्यों ने दास प्रथा पर आपत्ति** जताई।
- **1861 में गृहयुद्ध शुरू हुआ**
- **दक्षिण के दासों के समूह ने कॉन्फेडरेट स्टेट्स ऑफ अमेरिका की स्थापना** की जिसके अध्यक्ष **जेफरसन डेविस** थे।
- **राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन** के अधीन उत्तरी राज्य **दासता के खिलाफ** थे।
- हालांकि कॉन्फेडरेट्स ने कुछ शुरुआती लड़ाइयाँ जीतीं परन्तु 1865 के बाद में संघ मजबूत हुआ और उसने दक्षिणी राज्यों को हराया।

गृहयुद्ध के कारण

- अमेरिकी गृहयुद्ध का **मूल कारण: दासता के प्रति दृष्टिकोण में अंतर** था।
- **उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के बीच आर्थिक विषमता** : उत्तरी राज्यों का औद्योगीकरण हुआ जबकि दक्षिणी राज्य मुख्य रूप से कृषि प्रधान थे।
  - **उत्तरी राज्य ब्रिटेन से आयात पर कर** लगाना चाहते थे जबकि **दक्षिणी राज्य** ब्रिटेन के साथ कर **मुक्त व्यापार** चाहते थे।
- **गुलामी के प्रति रवैया**
  - औद्योगीकृत **उत्तरी राज्यों ने वेतनभोगी मजदूरों को तरजीह** दी जबकि **दक्षिणी राज्य रोपण-कृषि के लिए दासों पर निर्भर** थे।
  - **1804 में उत्तरी राज्यों में दास प्रथा को समाप्त कर दिया गया** और वे 'स्वतंत्र राज्य' बन गए।
- **उत्तर में गुलामी के उन्मूलन के लिए आंदोलन**
  - **1850 के विवादास्पद भगोड़ा दास कानून को निरस्त** करने का आह्वान किया
  - भगोड़े दासों को उनके **स्वामियों को लौटाने का आदेश** दिया।
- **अब्राहम लिंकन और रिपब्लिकन पार्टी द्वारा सुधारों का डर**
  - **तत्काल कारण: अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव** जिसमें **रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार अब्राहम लिंकन जीते** (1860)।
    - **लिंकन दासों की स्वतंत्रता के पक्षधर थे** वही **डेमोक्रेटिक उम्मीदवार स्टीफ़न अर्नोल्ड डगलस चाहते थे कि गुलामी जारी** रहे।

अमेरिकी गृहयुद्ध का क्रम

- **7 दक्षिणी राज्यों ने संघ से अलग होने की घोषणा की** और 9 फरवरी, 1861 को एक दक्षिणी सरकार की स्थापना की और **कॉन्फेडरेट स्टेट ऑफ़ अमेरिका की स्थापना** की। इस संघ ने **अपना संविधान अपनाया**।
  - **जेफरसन डेविस** इसके अध्यक्ष थे।
- **अप्रैल 1861 में** संघियों द्वारा **दक्षिण कैरोलिना में एक अमेरिकी किले (फोर्ट सुम्टर) पर हमला** करने के साथ ही **युद्ध प्रारम्भ** हो गया।
- **4 और राज्य कॉन्फेडेरसी में शामिल हुए**, जिससे कुल राज्यों की संख्या 11 हो गई।
- **सितंबर 1862 लिंकन ने स्वतंत्रता की घोषणा** जारी की और लाखों **दासों को मुक्त** कराया।
- **गेटिसबर्ग युद्ध:** लगभग 50,000 सैनिक मारे गए।
- **लिंकन ने प्रसिद्ध गेटिसबर्ग का भाषण** दिया और संघ और लोकतंत्र के संरक्षण का कार्य राष्ट्र के सामने रखा।
  - **इसका विजन:** जनता की, जनता के द्वारा और जनता के लिए सरकार।
- **सभी संघी सेनाओं ने आत्मसमर्पण कर दिया** जिसके साथ **युद्ध समाप्त** हुआ
- **1865 में संघीय सरकार का पतन हो गया।**

अमेरिकी गृहयुद्ध का महत्व

- युद्ध ने **दास प्रथा को समाप्त** कर दिया।
- **भविष्य में राज्यों के अलगाव की संभावना को समाप्त** कर दिया।
- बड़े पैमाने पर **विनिर्माण उद्योगों के विकास के लिए मार्ग प्रशस्त** किया।
- **कृषि के अंतर्गत क्षेत्र में विस्तार हुआ :** विशेष रूप से उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी क्षेत्रों में।

- **मशीनों का उपयोग बढ़ा** जिससे उन्नत उत्पादन संभव हुआ।
- **बैंकिंग प्रणाली का विनियमन** (राष्ट्रीय बैंकिंग अधिनियम) हुआ
- **कागजी मुद्रा के उपयोग** ने राष्ट्रव्यापी व्यापार के विकास में योगदान दिया।
- **नए हथियारों का इस्तेमाल** किया गया।
- **परिवहन और संचार में सुधार** हुआ
- **अन्य देशों को** भी दासता को समाप्त करने की **प्रेरणा मिली**
- 1776-1783 की क्रांति ने संयुक्त राज्य अमेरिका का निर्माण किया तथा 1861-1865 के गृहयुद्ध ने निर्धारित किया कि यह किस प्रकार का राष्ट्र होगा।

अब्राहम लिंकन की भूमिका

- उनका जन्म 1809, केंटकी राज्य में हुआ था।
- वे एक प्रतिष्ठित वकील और एक महान वक्ता थे।
- 1847 में वे कांग्रेस के एक सदस्य के रूप में चुने गए।
- 1860 में रिपब्लिकन उम्मीदवार के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति के रूप में चुने गए।
- उसने दक्षिणी राज्यों को संघ से अलग होने का अधिकार देने से इनकार कर दिया।
- मानवता के लिए उनका सबसे बड़ा योगदान दासता का उन्मूलन था।
- उन्होंने युद्ध का मुद्दा बदल दिया: गुलामी को मुद्दा बनाकर युद्ध शुरू हुआ जिसे उन्होंने 'संघ की एकता' में बदल दिया।
- **13वां संविधान संशोधन अधिनियम 1865:**
  - अमेरिकी लोगों के बीच मानवतावादी भावनाओं को जगाने में सफल और एक संशोधन पारित हुआ, **दासता को समाप्त किया** और अफ्रीकी-अमेरिकी आबादी का भारी समर्थन प्राप्त किया।
- **लिंकन का व्यक्तिगत योगदान:**
  - **ऑरलियन्स पर कब्जा** करने और **गिटेंसबर्ग की लड़ाई में प्रत्यक्ष भागीदारी** निभाई
  - **पूंजीवाद के विकास की बाधाओं को दूर किया** और उनके प्रयासों से अमेरिका विश्व शक्ति पद के रूप में उभरा।
  - गृहयुद्ध के बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका के **सभी राज्यों के नागरिकों को नागरिकता और समान अधिकार प्रदान** किए गए।
  - अब्राहम लिंकन द्वारा लो**कतंत्र का सिद्धांत: जनता की, जनता द्वारा और जनता के लिए सरकार प्रतिपादित** किया गया।